इंडिया एक्ज़िम बैंक

अपने शोध के साथ ब्रिक्स देशों पर छोड़िए अपनी गहरी छाप

ब्रिक्स सम्मान 2024 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित हैं

भारतीय निर्यात-आयात बैंक, भारत की प्रमुख निर्यात वित्त संस्था है। बैंक ब्रिक्स (ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात) अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित आर्थिक पहलुओं पर शोध को बढ़ावा देता है। इस संदर्भ में, बैंक "ब्रिक्स आर्थिक शोध वार्षिक सम्मान 2024" के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

इस सम्मान के लिए दस ब्रिक्स देशों के वे नागरिक आवेदन कर सकते हैं, जिन्हें उनके शोध कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या किसी वैश्विक शैक्षणिक संस्थान द्वारा जनवरी 2019 से एप्रिल 2024 के बीच डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि मिली हो। शोध कार्य का विषय सामान्य रुप से अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, विकास और संबंधित वित्तपोषण हो सकता है।

इंडिया एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रायोज़ित इस सम्मान के रूप में एक प्रशस्ति पत्र, पदक और ₹ 15 लाख (लगभग 20,000 यूएस डॉलर) की सम्मान राशि प्रदान की जाती है। आवेदन फार्म **https://www.eximbankindia.in/citations.aspx** पर ऑनलाइन प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रविष्टियाँ प्राप्त करने की अंतिम तिथि 12 मई, 2024 है।

EXPORT-IMPORT BANK OF INDIA'S
BRICS ECONOMIC RESEARCH
CITATION

इंडिया एक्ज़िम बैंक

हमें यहाँ फॉलो करें:

भारतीय एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध सम्मान: 2024
प्रमुख दिशानिर्देश

संदर्भ

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (इंडिया एक्ज़िम बैंक) भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के वित्तपोषण, सुगमीकरण और संवर्धन के उद्देश्य से स्थापित की गई देश की शीर्ष वित्तीय संस्था है। इस संदर्भ में इंडिया एक्ज़िम बैंक शोध आधारित विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित करता है। बैंक, अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था के अंतर्गत नामित सदस्य विकास बैंक है। इस व्यवस्था के अंतर्गत दूसरे ब्रिक्स देशों के भी नामित विकास बैंक सदस्य हैं। इनमें ब्राजील का बीएनडीईएस, रूस का स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक ऑफ डेवलपमेंट एंड फॉरेन इकोनॉमिक अफेयर्स (वेनेश्कोनॉम बैंक), चीन का चाइना डेवलपमेंट बैंक कॉर्पोरेशन (सीडीबी), दक्षिण अफ्रीका का डेवलपमेंट बैंक ऑफ सदर्न अफ्रीका (डीबीएसए) शामिल हैं। एक्ज़िम बैंक ने मार्च 2016 में ब्रिक्स आर्थिक शोध सम्मान (ब्रिक्स सम्मान) की शुरुआत की थी। इस सम्मान के अंतर्गत इंडिया एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रायोजित 15 लाख रुपये की सम्मान राशि (लगभग 20,000 यूएस डॉलर समतुल्य राशि), एक पदक और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। इस सम्मान का उद्देश्य ब्रिक्स के सदस्य देशों के लिए अर्थव्यवस्था संबंधी समसामयिक प्रासंगिक विषयों पर डॉक्टोरल अनुसंधान को बढ़ाना और प्रोत्साहित करना है।

सम्मान का विवरण

सम्मान का नाम: इंडिया एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध सम्मान

उद्देश्य: ब्रिक्स सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था के लिए प्रासंगिक विषयों पर उन्नत शोध को प्रोत्साहित करना।

पात्रता: ब्रिक्स के दस सदस्य देशों के नागरिक जिन्हें किसी राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय या वैश्विक अकादमिक संस्थान द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि दी गई हो या डॉक्टरेट की उपाधि के लिए जिनका आवेदन स्वीकार कर लिया गया हो, इस सम्मान के लिए पात्र हैं।

पात्र विश्वविद्यालय / अकादमिक संस्थान: कोई भी विश्वविद्यालय या अकादमिक संस्थान जो डॉक्टरेट की उपाधि देता हो या डॉक्टरेट की उपाधि देने के लिए थीसिस स्वीकार करने हेतु संबंधित देश की आधिकारिक संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हो।

पात्र प्रविष्टि: जनवरी 2019 से एप्रिल 2024 के बीच की ऐसी कोई भी थीसिस जिस पर डॉक्टरेट की उपाधि दी गई हो या डॉक्टरेट के लिए स्वीकार की गई हो।

थीसिस की विषय-वस्तु: अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, व्यापार, विकास और संबंधित वित्तपोषण में शोध। ब्रिक्स देशों / ब्रिक्स के सदस्य विकास बैंकों से संबंधित विशेष प्रासंगिक मुद्दे जो अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, विदेश व्यापार, विकास और संबंधित वित्तपोषण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, संयुक्त उपक्रम, अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धात्मकता, व्यापार और निवेश को प्रभावित करने वाली नीतियों और मौद्रिक एवं राजकोषीय हस्तक्षेप से संबद्ध (लेकिन सीमित नहीं) हों।

थीसिस की भाषा: थीसिस मूल रूप में ब्रिक्स देशों की किसी भी राष्ट्रीय /राजभाषा अथवा अंग्रेजीं में हो सकती है।

सम्मान: सम्मान के रूप में एक प्रशस्ति पत्र, पदक एवं इंडिया एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रायोजित 15 लाख रुपये की राशि (समतुल्य लगभग 20,000 यूएस डॉलर) प्रदान की जाती है।

सम्मान के नियम एवं शर्तें:

1. थीसिस मूल रुप में अंग्रेजी में या ब्रिक्स देशों की किसी भी राष्ट्रभाषा / राजभाषा में हो सकती है। यदि थीसिस अंग्रेजी से इतर उपर्युक्त किसी भाषा में है तो प्रविष्टि के साथ पूरी थीसिस का अंग्रेजी अनुवाद और इस थीसिस के संबंध में जर्नलों में प्रकाशित पेपर भेजना अनिवार्य है।
2. सभी प्रविष्टियों के साथ लेखक के हस्ताक्षर वाला पूर्ण प्रविष्टि फार्म (अंग्रेजी में) अनिवार्य रूप से हो।
3. आवेदन के साथ थीसिस का अंग्रेजी भाषा में सारांश (5000 शब्दों तक) उसकी विषय-वस्तु, पद्धति, परिणाम और निष्कर्ष को समेटे हुए सुस्पष्ट और सुबोध रूप में भेजा जाना चाहिए।
4. प्रविष्टियों का सारांश 1.5 के स्पेस के साथ टाइप किया गया हो।
5. प्रस्तुत किए जाने वाले सारांश में लेखक, गाइड या विश्वविद्यालय का नाम कहीं भी नहीं लिखा होना चाहिए।
6. सभी प्रविष्टियां इंडिया एक्ज़िम बैंक को 12 मई 2024 तक या इससे पहले प्राप्त हो जाएं।
7. सभी प्रविष्टियों के साथ संबंधित विश्वविद्यालय / डॉक्टरेट की उपाधि के लिए स्वीकृत थीसिस का प्रमाणपत्र संलग्न हो।
8. आवेदक की ब्रिक्स देशों की नागरिकता की पुष्टि के लिए सभी प्रविष्टियों के साथ आवेदक के वर्तमान पासपोर्ट (पहले दो और अंतिम दो पृष्ठ) की प्रतिलिपि संलग्न हो।
9. इंडिया एक्ज़िम बैंक शोध की प्रविष्टियां लौटाने और प्रविष्टियों के मार्ग में गुम हो जाने की कोई जवाबदेही स्वीकार नहीं करता है।
10. सम्मान के लिए एक ही थीसिस की प्रविष्टियां (प्रविष्टि मानदंडों को पूरा करने वाली) दो से ज्यादा बार प्रस्तुत नहीं की जा सकती हैं।
11. जब भी संभव हो, आवेदक अपनी थीसिस के संबंध में मूल्यांकनकर्ताओं की मूल्यांकन रिपोर्ट संलग्न करेंगे और प्रविष्टि फार्म में अपनी थीसिस के सभी रेफरी / मूल्यांकनकर्ताओं / निरीक्षकों का नाम लिखेंगे।